

श्री ए०के० दत्त, प्रमुख वन संरक्षक, वन अनुसंधान, प्रबन्धन एवं प्रशिक्षण, उत्तराखण्ड, हल्द्वानी की अध्यक्षता में आयोजित उत्तराखण्ड वानिकी अनुसंधान सलाहकार परिषद की बैठक दिनांक 30-04-2015 का कार्यवृत्त

दिनांक 30-04-2015 को मंथन सभागार, में उत्तराखण्ड वानिकी अनुसंधान सलाहकार परिषद (आर०ए०सी०) की बैठक श्री ए०के० दत्त, प्रमुख वन संरक्षक, वन अनुसंधान, प्रबन्धन एवं प्रशिक्षण, उत्तराखण्ड, हल्द्वानी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में उपस्थित सदस्यों, उनके प्रतिनिधियों एवं विशेष आमंत्रितियों की सूची संलग्न है।

मुख्य वन संरक्षक, जैव विविधता संरक्षण, विकास एवं अनुसंधान, उत्तराखण्ड, हल्द्वानी/सदस्य सचिव, आर०ए०सी० द्वारा उपस्थित समस्त प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए बैठक में अपना बहुमूल्य समय प्रदान करने हेतु आभार व्यक्त किया गया। उनके द्वारा अवगत कराया गया कि समिति की विगत बैठक दिनांक 16-05-2014 को हुई थी एवं विगत निर्णयों के आधार पर यथोचित प्रगति प्राप्त की गयी है तथा आशा व्यक्त की गयी कि वानिकी अनुसंधान कार्यों को दिशा एवं गति प्रदान करने हेतु सदस्यों के बहुमूल्य सुझावों का भविष्य में भी अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

अध्यक्ष महोदय की अनुमति से बैठक की कार्यवाही प्रारम्भ की गई। डा० राजेन्द्र सिंह, मुख्य वन संरक्षक, अनुसंधान वृत्त, उत्तराखण्ड, हल्द्वानी द्वारा आर०ए०सी० की बैठक दिनांक 27-07-2010, 27-08-2011, 04-08-2012, 20-04-2013 एवं 16-05-2014 में अनुमोदित परियोजनाओं की अद्यतन प्रगति रिपोर्ट का प्रस्तुतीकरण किया गया जिसका विवरण निम्न प्रकार है-

क्र०सं०	परियोजना	प्रगति विवरण
1	Demonstration plots and trials of need based initiatives (CAMPA)	<p>वर्ष 2010-11 - लालकुआँ में दशमूल प्रदर्शन क्षेत्र (1.00 हे०), सडियाताल में जिंगो बाइलोबा का प्रदर्शन क्षेत्र (1.70 हे०), देववन में अष्टवर्ग प्रदर्शन क्षेत्र (0.50 हे०) एवं हल्द्वानी में औषधीय पौधों का प्रदर्शन क्षेत्र (0.50 हे०) स्थापित किया गया है। सभी प्रदर्शन क्षेत्रों में प्रजातियों की सफलता प्रतिशत अच्छी पायी गयी है।</p> <p>वर्ष 2011-12 - टाण्डा में अकेशिया मेन्जियम, राम्दार, पाखल व चम्पा का एवं देववन में केदारपाती का फील्ड ट्रायल स्थापित किया गया है। अकेशिया मेन्जियम का जीवितता लगभग शून्य है। अतः स्पष्ट है कि अकेशिया मेन्जियम इस क्षेत्र के लिए उपयुक्त नहीं है। सेमला का प्रदर्शन क्षेत्र लोहाघाट में स्थापित किया गया है। 790 ग्राम सेमला गोंद 5 प्राकृतिक वृक्षों से प्राप्त किया गया। चम्पा की वृद्धि दर संतोषजनक पायी गयी है जबकि केदारपाती में अच्छी सफलता प्राप्त हुई है।</p> <p>वर्ष 2012-13 - लालकुआँ में फाइक्स उद्यान की स्थापना की गयी है। वर्तमान में 85 फाइक्स प्रजातियों/किरमें 3.00 हे० क्षेत्र में रोपित की गयी है जिनकी वृद्धि दर संतोषजनक है। मुनस्यारी में चूक तथा सडियाताल में पटवा के प्रदर्शन क्षेत्र की स्थापना की गयी। चूक एवं पटवा की वृद्धि दर एवं सफलता प्रतिशत अच्छी पायी गयी है।</p> <p>वर्ष 2013-14 - एनर्जी/पयूल के रूप में उपयोग में लाये जानी वाली स्थानीय झाड़ी प्रजातियों का उत्पादकता परीक्षण करने हेतु मध्य हिमालयी क्षेत्र (गाजा) में, उच्च हिमालयी क्षेत्र (देववन) में एवं तराई क्षेत्र (लालकुआँ) में एनर्जी प्लानटेशन की स्थापना की गयी है। इनसे आकड़ा एकत्रित किया जा रहा है। काकडीघाट एवं लालकुआँ में सैलिक्स प्रजाति के उच्च उत्पादकता क्लोनों का उपयुक्तता</p>

		<p>परीक्षण प्रारम्भ किया गया है जिसके अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश से प्राप्त सैलिक्स की 6 प्रजातियों का रोपण किया गया है। काकडीघाट में सैलिक्स की रोपित 256 पौधे अतिवृष्टि से क्षतिग्रस्त हो गई है। सफलता 86.6 प्रतिशत है।</p> <p>वर्ष 2014-15 -</p> <p>लालकुआँ अनुसंधान केन्द्र, लालकुआँ में चन्दन प्रजाति के स्पेसिंग ट्रायल/ उत्पादकता परीक्षण हेतु 0.25 हे० में विभिन्न अन्तराल (3 मी० X 3 मी०, 2.5 मी० X 3 मी०, 2.5 मी० X 2.5 मी०) पर कुल 397 पौधे रोपित किये गये हैं जिनकी सफलता शत प्रतिशत है।</p> <p>भूमि क्षरण रोकने एवं आजीविका हेतु आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण झाड़ी, वृक्ष एवं औषधीय प्रजातियों का रोपण करने सम्बन्धी प्रयोग के अन्तर्गत नैनीताल-खुर्पाताल मार्ग पर 200 मी० लम्बाई में 5 झाड़ी प्रजातियों (रुईस, तिमूर, किलमोड़ा, धिंधारू एवं धौला), 1 वृक्ष प्रजाति (तेजपात) तथा तीन घास प्रजातियों (रिंगाल, कुमरिया एवं लेमन) के कुल 9360 पौधों का रोपण जुलाई, 2014 में 0.70 हे० क्षेत्र में किया गया है।</p> <p>प्रदर्शन क्षेत्र के अन्तर्गत चकराता में कऊ (<i>Olea cuspidata</i>) के 550 पौधे एवं रिकदालमी (<i>Myrsine africana</i>) के 800 पौधों का रोपण जुलाई, 2014 में किया गया है। प्रगति संतोषजनक है।</p>
2	Establishment/maintenance of seed plots/orchards (CAMPA)	<p>वर्ष 2010-11 -</p> <p>लालकुआँ में हरड़, सांदन, कचनार, खरपट, हल्दू एवं चम्पा का एस०एस०पी०ए० (3.00 हे०) स्थापित किया गया है, यही पर सर्पगंधा एवं सतावर का बीज क्षेत्र (0.50 हे०) एवं सड़ियाताल में तिमरु का बीज क्षेत्र (1.00 हे०) स्थापित किया गया है। पौधों की वृद्धि एवं सफलता प्रतिशत संतोषजनक है।</p> <p>वर्ष 2011-12 -</p> <p>लोहाघाट में रुईस का बीज क्षेत्र स्थापित किया गया है। प्रगति संतोषजनक है।</p> <p>वर्ष 2012-13 -</p> <p>लालकुआँ में 0.80 हे० क्षेत्र में जैव विविधता के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण 14 प्रजातियों का रोपण किया गया। पुनः इसे 3.00 हे० क्षेत्र में विस्तारित किया गया एवं वर्ष 2013-14 एवं वर्ष 2014-15 में लगभग 50 प्रजातियों का रोपण किया गया। पौधों की वृद्धि दर एवं सफलता संतोषजनक है।</p> <p>वर्ष 2013-14 -</p> <p>सड़ियाताल में गिनरोई तथा इमरोई के बीजू बीज उत्पादन तथा कालिका में बमौर के बीजू बीज उत्पादन क्षेत्र की स्थापना की गयी है। रख-रखाव किया जा रहा है।</p> <p>वर्ष 2014-15 -</p> <p>अनुसंधान रेंज, हल्द्वानी द्वारा तराई केन्द्रीय वन प्रभाग के अन्तर्गत भाखडा कक्ष संख्या 3 में 1.0 हे० क्षेत्र में 5 मी० X 5 मी० के अन्तराल पर 10 क्लोनों के कुल 400 शीशम पौधों का रोपण जुलाई, 2014 में किया गया एवं सी० एस० ओ० की स्थापना की गयी। शीशम के 10 क्लोनों में से 3 क्लोन एफ० आर० आई०, देहरादून द्वारा विकसित किये गये हैं एवं शेष 7 क्लोन अनुसंधान शाखा द्वारा विकसित किये गये हैं। इसके अतिरिक्त तराई केन्द्रीय वन प्रभाग के चकफेरी ब्लॉक में मिश्रित प्रजाति (पूला, बौरंग, सेमल, लिसोड़ा, झींगन, ढाक, आदि) का 6.6 हे० क्षेत्र में बीज उद्यान स्थापित किया गया।</p> <p>बीजू बीज उत्पादन क्षेत्र की स्थापना के अन्तर्गत गेंठी (<i>Boehmeria rugulosa</i>) प्रजाति के पौधों का रोपण, खुर्पाताल कक्ष सं० 3 में 1.0 हे० क्षेत्र में 4 मी० X 5 मी० के अन्तराल पर किया गया। सफलता संतोषप्रद है।</p>

3

Development of nursery techniques for propagation of indigenous species (CAMPA)

वर्ष 2010-11 -

वन वर्धनिक, उत्तराखण्ड, नैनीताल द्वारा रुईस, तिमरु, भेकल, घिंघारु एवं केदारपाती की नर्सरी तकनीक एवं वन वर्धनिक, साल क्षेत्र, हल्द्वानी द्वारा हल्दू, बाकली, सांदन, चम्पा, चन्दन, बीजासाल, ढाक, सलई गुग्गल एवं पाडल की नर्सरी तकनीक में आशातीत सफलता प्राप्त की गयी है। विकसित नर्सरी तकनीक से संबंधित जानकारी के प्रचार-प्रसार हेतु ब्रोसर का प्रकाशन किया गया है।

वर्ष 2011-12 -

पटवा एवं थनेला की नर्सरी तकनीक में उत्साहवर्धक परिणाम प्राप्त हुये हैं। पटवा में बीज से पौध तैयार करने में 86 प्रतिशत एवं वर्धी विधि से 16 प्रतिशत सफलता प्राप्त हुयी है। थनेला में बीज से पौध तैयार करने में 89 प्रतिशत सफलता प्राप्त हुयी जबकि वर्धी विधि से सफलता प्राप्त नहीं हुई। झींगन की लम्बी कटिंग रोपित कर पौध तैयार करने की विधि का जिक श्री कांजी लाल ने किया है। अतः 1 मी० ऊँची कटिंग द्वारा झींगन की पौध तैयार करने का प्रयोग किया गया जिसमें 65 प्रतिशत सफलता प्राप्त हुई। झींगन की पौध बीज से तैयार करने में 16.7 प्रतिशत सफलता प्राप्त हुई है।

वर्ष 2012-13 -

हल्द्वानी पौधशाला में मेदा एवं श्यामपुर पौधशाला में पचनाला की नर्सरी तकनीक विकसित करने में परिणाम उत्साहजनक प्राप्त हुये हैं। मेदा में बीज से पौध तैयार करने में 90 प्रतिशत सफलता प्राप्त हुई जबकि वर्धी विधि से मात्र 15 प्रतिशत सफलता प्राप्त हुई। पचनाला के बीज से पौध तैयार करने में 42 प्रतिशत सफलता प्राप्त हुई एवं वर्धी विधि से पौध तैयार करने में 74 प्रतिशत सफलता प्राप्त हुई।

द्वारसों पौधशाला में बमोर, मुनस्यारी पौधशाला में भोजपत्र, सड़ियाताल पौधशाला में गेठी, कालसी पौधशाला में एकदानिया के नर्सरी तकनीक का कार्य चल रहा है, जिसके परिणाम निम्न प्रकार प्राप्त हुये :-

प्रजाति	वर्धी विधि से सफलता (%)	बीज द्वारा सफलता (%)
बमोर	60	98.6
भोजपत्र	0	25
गेठी	27	1 ग्राम बीज से 468 पौध प्राप्त हुई।
एकदानिया	60	27

वर्ष 2013-14 -

हल्द्वानी पौधशाला में खरपट तथा लालकुआँ नर्सरी में फल्दू की नर्सरी तकनीक विकसित करने में प्रारम्भिक परिणाम उत्साहजनक प्राप्त हुये हैं। खरपट में बीज बुआई से 86 प्रतिशत तथा जुवेनाइल कटिंग से 70 प्रतिशत सफलता प्राप्त हुई। फल्दू के बीज बुआन से 48 प्रतिशत अंकुरण प्राप्त हुआ है जबकि वर्धी विधि द्वारा 90 प्रतिशत सफलता प्राप्त हुई।

लोहाघाट पौधालय में कऊ, द्वारसों पौधालय में तानसेन, देववन पौधालय में रिकदालमी के नर्सरी तकनीक विकसित करने में प्रारम्भिक परिणाम निम्न प्रकार हैं :-

प्रजाति	वर्धी विधि से सफलता (%)	बीज द्वारा सफलता (%)
कऊ	63	शून्य
तानसेन	17	66
रिकदालमी	67	10

		<p>वर्ष 2014-15 - पूला प्रजाति के नर्सरी तकनीक के मानकीकरण हेतु श्यामपुर नर्सरी (रानीपुर रेंज) में वर्धी विधि एवं बीज द्वारा पौध उगाने सम्बन्धी प्रयोग की स्थापना की गयी है। परिणाम आने शेष हैं। इसी प्रकार वनपलास की नर्सरी तकनीक मानकीकरण हेतु लालकुआँ अनुसंधान केन्द्र में प्रयोग की स्थापना की गयी है। वनपलास की बीज विधि से पौध उगाने में 82 प्रतिशत अंकुरण प्राप्त हुआ जबकि वर्धी विधि द्वारा से पौध उगाने में सफलता प्राप्त नहीं हुयी है। धौड़ी की नर्सरी तकनीक सम्बन्धी प्रयोग की स्थापना अनुसंधान रेंज, हल्द्वानी में की गयी जिसमें वर्धी विधि से पौध उगाने में 50 प्रतिशत सफलता प्राप्त हुयी जबकि बीज से 15 प्रतिशत अंकुरण प्राप्त हुआ है। प्रयोग गतिमान है।</p> <p>पर्वतीय क्षेत्र की प्रजातियों में तुंगला (<i>Rhus parviflora</i>), फर्न वृक्ष (<i>Cyathea spinulosa</i>), गुग्गल वृक्ष (<i>Juniperus macropoda</i>) एवं धूप (<i>Juniperus indica</i>) के नर्सरी तकनीक के मानकीकरण हेतु बीज एवं वर्धी विधि सम्बन्धी प्रयोग स्थापित किये गये हैं। प्रारम्भिक परिणाम के अनुसार तुंगला में बीज द्वारा पौध उगाने में 4 प्रतिशत एवं वर्धी विधि से 30 प्रतिशत सफलता प्राप्त हुई। फर्न वृक्ष के बीज एकत्रीकरण का कार्य सितम्बर, 2014 में किया गया तथा अक्टूबर, 2014 में बीज बुआन किया गया। अभी तक कोई अंकुरण प्राप्त नहीं हुआ है। 6 पौधों का पुनरोत्पादन चमोली जिले के छत्रपाल गाँव (<i>in-situ</i>) में पाये गये हैं।</p>
4	Collaborative Research (CAMPA)	<p>वर्ष 2010-11 - अस्कोट में पाये जाने वाले काला बन्दर की पहचान एवं देवदार के रासायनिक विश्लेषण का कार्य किया जा चुका है। देवदार के प्रकाष्ठ में 1 प्रतिशत तथा पत्ती में 0.37 प्रतिशत तेल पाया गया। साल, सागौन, यूकैलिप्टस एवं पॉपलर की स्थानीय आयतन सारणी विभिन्न कारणों से तैयार नहीं की जा सकी है। इस वर्ष यह कार्य प्राथमिकता पर किया जाना प्रस्तावित है। सामाजिक-आर्थिक सर्वे कार्य भी सम्पन्न नहीं हो सका है।</p> <p>वर्ष 2011-12 - मिलिया कम्पोजिता के उपयुक्तता अध्ययन हेतु डाहा व लालकुआँ में एच विच्छू घास के उत्पादकता अध्ययन हेतु गोपेश्वर एवं नैनीताल में प्रयोग स्थापित किये गये हैं। मिलिया के प्रोजनी 240, 256 एवं 241 में अच्छी वृद्धि देखी गयी है। प्रोजनी 240 के वृक्ष के अधिकतम ऊँचाई 16.24 मी० तथा व्यास 10.5 सेमी० पाया गया है (दिसम्बर 2014)। मिलिया के बीज से पौध तैयार करने में 75 प्रतिशत सफलता एवं रूट सकर्स से 45 प्रतिशत सफलता प्राप्त हुई है। 300 वर्ग मी० क्षेत्र में 1 मी० X 1 मी० स्पेसिंग पर रोपित 1400 विच्छू घास के पौधों से 2.50 किय्रा० रेशा प्राप्त हुआ।</p> <p>वर्ष 2013-14 - पौधशाला जनित रोग एवं प्रबन्धन विवरणिका प्रकाशित नहीं हो सकी। एफ०आर०आई०, देहरादून द्वारा अवगत कराया गया है कि माह जून, 2015 तक पुस्तिका तैयार कर ली जायेगी।</p> <p>वर्ष 2014-15 - वरंगु प्रजाति का संरक्षण एवं संवर्धन का कार्य किया जा रहा है। देहरादून वन प्रभाग के लच्छीवाला कक्ष सं० 13बी में स्थित वरंगु के विद्यमान 4 वृक्षों को सुरक्षा प्रदान करने हेतु आवश्यक कार्य किये गये तथा बीज प्राप्त कर रानीपुर नर्सरी में वरंगु के 700 पौध उगाये गये हैं जिन्हें देहरादून वन प्रभाग के गौलातप्पर 7बी ब्लॉक में माह जुलाई, 2015 में रोपित किया जायेगा।</p> <p>रिंगाल के दोहन की विभिन्न तकनीकों के प्रभाव के अध्ययन हेतु मुनस्यारी</p>

		<p>गौलातप्पर 7बी ब्लॉक में माह जुलाई, 2015 में रोपित किया जायेगा।</p> <p>रिंगाल के दोहन की विभिन्न तकनीकों के प्रभाव के अध्ययन हेतु मुनस्यारी क्षेत्र में देव रिंगाल, थाम रिंगाल एवं झूमर रिंगाल प्रजाति के बेडियों का चयन कर कूप बनाकर 5 बेडी प्रति प्रजाति प्रति रेप्लीकेशन में लेकर हार्वेस्टिंग कार्य किया गया तथा नये कल्लों का अध्ययन भी किया गया।</p> <p>बांज के वनों में लॉरेन्थस को नियन्त्रित करने सम्बन्धी प्रयोग में लॉरेन्थस हटाने के बाद प्रभावित शाखाओं में चौबटिया पेस्ट एवं हर्बीसाइड का प्रयोग किया गया जिसके परिणाम आने शेष हैं।</p>
5	Modern Seed Storage facility and strengthening of existing nurseries (CAMPA)	<p>वर्ष 2013-14 -</p> <p>बीज भण्डार गृह का निर्माण विभिन्न कारणों से सम्भव नहीं हो सका जो इस वर्ष (2015-16) में पूर्ण कर लिया जायेगा।</p> <p>नर्सरियों के सुदृढीकरण के अन्तर्गत लालकुआँ नर्सरी में 120 मी0 (2013-14) सुरक्षा दीवार का निर्माण कार्य कराया गया। इस वर्ष (2014-15) 155 मी0 सुरक्षा दीवाल का निर्माण कैम्पा निधि से एवं 145 मी0 दीवाल का निर्माण उत्तराखण्ड वन विकास निगम द्वारा वित-पोषित योजना से किया गया। वन वर्धनिक, साल क्षेत्र एवं वन वर्धनिक, पर्वतीय के अधीन विभिन्न पौधशालाओं में जैव विविधता के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण 1,00,000 पौधे उगाये गये। हल्द्वानी पौधशाला में मिस्ट चैम्बर निर्माण का कार्य धनराशि की कमी के कारण नहीं किया जा सका।</p> <p>वर्ष 2014-15 -</p> <p>उच्च गुणवत्तायुक्त विभिन्न प्रजातियों की कुल 60,000 पौध अनुसंधान शाखा द्वारा तैयार की गयी तथा क्षेत्रीय वन प्रभागों को निशुल्क पौध वितरित की गयी। इसके अतिरिक्त अनुसंधान रेंज, हल्द्वानी एवं लालकुआँ में मिस्ट चैम्बर की मरम्मत का कार्य पूर्ण किया गया। देववन स्थित नर्सरी में हार्डनिंग चैम्बर/ शेडनेट का निर्माण किया गया।</p>
6	Strengthening of Research cell (CAMPA)	<p>वर्ष 2011-12 -</p> <p>समिति द्वारा यह संज्ञान लिया गया कि अनुसंधान शाखा के अधिकारियों/कर्मचारियों को यथा अनुमोदित प्रशिक्षण व भ्रमण नहीं कराया गया है तथा सुझाव दिया गया कि इस वर्ष इस संदर्भ में समय से कार्ययोजना तैयार कर ली जाय।</p> <p>वर्ष 2012-13 -</p> <p>(1) Practical approach for raising healthy nursery & plantations विषय पर वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून में 5 अधिकारियों/कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिलाया गया।</p> <p>(2) KFRI (Kerala), IWST, IPIRTI एवं FRLHT (Bangluru) का एक्सपोजर विजिट 3 अधिकारियों द्वारा किया गया।</p> <p>(3) JNTBGRI (पालोद), त्रिवेन्द्रम का एक्सपोजर विजिट 3 अधिकारियों द्वारा किया गया।</p> <p>वर्ष 2013-14 -</p> <p>लालकुआँ एवं कोसी कटारमल में दो कार्यशालाओं का आयोजन किया गया जिसमें वन विभाग के अधिकारी, विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिक, विभिन्न एन0जी0ओ0 के विशेषज्ञ, सेवानिवृत्त वनाधिकारी एवं कृषिवानिकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले विशिष्ट जन एवं संस्थाओं को आमंत्रित किया गया था।</p> <p>वर्ष 2014-15 -</p> <p>1- अनुसंधान शाखा के 5 अधिकारियों द्वारा हिमाचल प्रदेश के नैनी (सोलन)</p>


		<p>स्थित वाई0एस0 परमार, औद्योगिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय में अध्ययन भ्रमण किया गया तथा सैलिक्स प्रजातियों से सम्बन्धित अनुसंधान की जानकारी प्राप्त की गयी।</p> <p>2- 03 विभागीय अधिकारियों द्वारा JNTBGRI Pallod (Kerala) का भ्रमण एवं रोपण सामग्री एकत्रीकरण फरवरी 2015 में किया गया।</p> <p>3- अनुसंधान शाखा द्वारा बोटैनिकल गार्डन, नैनीताल में दिसम्बर, 2014 में एवं बडकोट में जनवरी, 2015 में कार्यशाला का आयोजन किया गया।</p> <p>4- वन वर्धनिक, साल क्षेत्र द्वारा 02 जे0आर0एफ0, 01 तकनीकी सहायक एवं 01 सिस्टम एनालिस्ट को संविदा पर रखा गया। इसी प्रकार वन वर्धनिक, पर्वतीय, नैनीताल द्वारा 01 जे0आर0एफ0 एवं 01 तकनीकी सहायक संविदा पर रखा गया।</p>
7	Publication of ARR, Research bulletins, etc (CAMPA)	<p>वर्ष 2009-10, 2010-11, 2011-12, 2012-13 एवं 2013-14</p> <p>इस अवधि में प्रकाशित वार्षिक प्रतिवेदनों एवं अनुसंधान पत्रकों के सम्बन्ध में समिति को अवगत कराया गया। वर्ष 2013-14 का वार्षिक प्रत्यावेदन प्रकाशन प्रक्रिया में है। इसके अतिरिक्त नर्सरी तकनीक पत्रक प्रकाशित किये गये हैं। IFTBRC कोयम्बटूर में आयोजित सेमिनार में रिसर्च पेपर प्रस्तुत किया गया।</p>
8	Strengthening of existing botanical/herbal garden (CAMPA)	<p>वर्ष 2011-12, 2012-13 एवं 2013-14 -</p> <p>वर्ष 2011-12 में, हल्द्वानी में बैम्बूसेटम एवं लता परगोला तथा मुनस्यारी में फल प्रदर्शन क्षेत्र की स्थापना की गयी है। इसका अनुरक्षण व सुदृढीकरण किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त मुनस्यारी में हर्बल उद्यान का सुदृढीकरण किया जा रहा है। वर्ष 2014-15 में हर्बल गार्डन, दशमूल गार्डन एवं लता परगोला के रख रखाव का कार्य किया गया। इसके अतिरिक्त मुनस्यारी में बुरांश के गार्डन की स्थापना की गयी एवं मुनस्यारी हर्बल गार्डन में तकील पाम के वाह्य संरक्षण कार्य अन्तर्गत जुलाई, 2014 में 600 पौध रोपित किया गया।</p>
9	Research & Technology Scheme (R.T.)	<p>वर्ष 2010-11</p> <p>राज्य वृक्ष बुरांश की नर्सरी तकनीक विकसित किये जाने पर परिषद द्वारा विशेष प्रसन्नता व्यक्त की गयी। बुरांस के बीज द्वारा पौध तैयार करने में 77 प्रतिशत सफलता प्राप्त हुई है। लालकुआँ में यूकेलिप्टस एवं पॉपलर के नये क्लोनों का विकास कार्य संतोषप्रद रहा है। मुनस्यारी में दमस्क गुलाब एवं पुष्कर मूल के प्रदर्शन क्षेत्र की स्थापना की गयी है।</p> <p>वर्ष 2011-12</p> <p>आई0टी0सी0, भद्राचलम के 9 यूकेलिप्टस क्लोनों के नर्सरी ट्रायल के साथ-साथ पॉपलर व यूकेलिप्टस के नये क्लोनों के विकास/फील्ड ट्रायल के सम्बन्ध में परिषद को अवगत कराया गया। पेंचदार व सामान्य चीड़ पर मृदा कारकों के अध्ययन, लटुआ बॉज के संरक्षण क्षेत्र की स्थापना के साथ-साथ बॉस एवं रुद्राक्ष के हेज गार्डन की स्थापना की प्रगति से परिषद को अवगत कराया गया।</p> <p>वर्ष 2012-13 -</p> <p>पॉपलर के नये क्लोन विकसित करने की प्रगति से समिति को अवगत कराया गया।</p> <p>वर्ष 2013-14 -</p> <p>यूकेलिप्टस के नये क्लोन के विकसित करने की प्रगति से समिति को अवगत कराया गया है। इसी प्रकार पॉपलर के नये क्लोनों के विकास हेतु कार्य किया जा रहा है तथा 29 श्रेष्ठ फिनोटाइप का चयन किया गया। अन्तिम रूप से 15 श्रेष्ठ चयनित क्लोनों का लालकुआँ नर्सरी में बहुगुणन (multiplication) करने का कार्य गतिमान है। बैम्बू बहुगुणन (multiplication) का कार्य भी प्रगति पर</p>

	<p>अन्तिम मापन माह नवम्बर, 2013 में किया गया। इस प्रायोगिक क्षेत्र में कुछ क्लोनों में बहुत अच्छी बढ़त पायी गयी है। बाउन्ड्री पर स्थित यूकेलिप्टस वृक्षों (AP-10) के मापन से 30-35 घन मी० प्रति हे० प्रति वर्ष का उत्पादन आकड़ा प्राप्त हो रहा है। अन्तिम रूप से आकड़े विशलेषण का कार्य किया जा रहा है। इस क्षेत्र में पातन कर दिया गया है तथा पातन से पूर्व चिन्हीत 100 यूकेलिप्टस धनात्मक वृक्षों का पातन नहीं किया गया है जिससे भविष्य में उच्च कोटि का बीज प्राप्त किया जा सके। इस वृक्षारोपण क्षेत्र के चारों ओर 200 - 250 मी० दूरी तक कोई अन्य यूकेलिप्टस वृक्ष स्थित नहीं हैं जिससे बीज की गुणवत्ता पर दुष्प्रभाव पड़ने की सम्भावना नहीं है।</p> <p>वर्ष 2014-15 -</p> <p>अनुसंधान रेंज, हल्द्वानी द्वारा तराई केन्द्रीय वन प्रभाग के चकफेरी ब्लाक में 1.5 हे० क्षेत्र में यूकेलिप्टस क्लोनल फील्ड ट्रायल की स्थापना की गयी। इसके अतिरिक्त अनुसंधान केन्द्र लालकुआँ में पापलर के 8 नर क्लोनों तथा 14 मादा क्लोनों की कुल 584 पौध रोपित कर पॉपलर जर्म प्लाज केन्द्र की स्थापना की गयी। यूकेलिप्टस एवं पॉपलर के नये क्लोनों के विकास का कार्यक्रम जारी रखा गया है। यूकेलिप्टस सी.टी.ए. 2003 के अन्तिम निष्कर्ष प्राप्त किये गये जिसके अनुसार K14, K16, K68, K23, K54, एवं K25 श्रेष्ठ पाये गये। वन वर्धनिक, पर्वतीय के अर्न्तगत अनुसंधान राजि गाजा द्वारा पापलर हिल क्लोन (जे-1, जे-2, जे-14, जे-15 एवं जे-18) की बढ़त व अतिजीवितता का अध्ययन सम्बन्धी प्रयोग गतिमान है।</p>
--	--

वन वर्धनिक, साल क्षेत्र, हल्द्वानी एवं वन वर्धनिक, पर्वतीय क्षेत्र, नैनीताल द्वारा कैम्पा तथा आर०टी० योजना के अन्तर्गत नये प्रस्ताव प्रस्तुत किये गये तथा समिति द्वारा विस्तृत एवं सम्यक विचारोपरान्त निम्न प्रकार निर्णय/सुझाव दिये गये :-

CAMPA Scheme

क्र०सं०	परियोजना का नाम	समिति का निर्णय/सुझाव
	Collaborative Research (1a) for preparation of volume table, climate change studies, hydrological investigation, development of urban forestry models, stake holders survey on forestry issues, forest certification, inventorization of vegetation, etc.	
1	Study of Carbon sequestration in Oak forests of Nainital Div. under different lopping regimes and age classes (Gaja Research Range).	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान करते हुए सुझाव दिया गया कि बाजं वनों के साथ चौड़ वन में भी कार्बन संचयन का अध्ययन किया जाना उचित होगा।
2	Preparation of Local Volume Table for Poplar in Tarai Region of Uttarakhand.	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान करते हुए सुझाव दिया गया कि इसका वित्त पोषण वन विकास निगम से किया जाय जिस पर महाप्रबन्धक, वन विकास निगम द्वारा सहमति व्यक्त की गयी।
3	Preparation of Local Volume Table for <i>Eucalyptus</i> in Tarai Region of Uttarakhand.	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान करते हुए सुझाव दिया गया कि इसका वित्त पोषण वन विकास निगम से किया जाय जिस पर महाप्रबन्धक, वन विकास निगम द्वारा सहमति व्यक्त की गयी।
4	Field trial of new <i>Eucalyptus</i> hybrids developed by FRI, Dehradun and new clones developed by I.F.G.T.B., Coimbatore (Haldwani Research Range).	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
5	Inclusion of 2 Spp. - <i>Eucalyptus</i> & <i>Melia composita</i> in Agro Forestry nursery /Commercial nursery of Poplar.	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
6	Development of best agro forestry practices for different agro climatic zones in Uttarakhand. (Silva, Hill Region and	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान करते हुए सुझाव दिया गया कि प्रजाति का चयन पूर्व में कर



	Silva, Sal Region)	लिया जाय तथा पारम्परिक ज्ञान को भी लिपिबद्ध किया जाना उचित होगा। वित्त पोषण कैट प्लॉन अन्तर्गत किया जायेगा।
Demonstration plots and trials of need based initiatives (1b)		
1	Demonstration plot of <i>Indopiptadenia oudhensis</i> in 1.00 ha near Jeolikote (Gaja Research Range).	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
2	Demonstration plot of <i>Schrebera sweitenoides</i> in 2.00 ha near Haldwani (Haldwani Research Range).	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
3	Demonstration plot of <i>Betula utilis</i> at Munsiyari herbal garden in 0.50 ha (Lohaghat Research Range).	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
4	Suitability trial of <i>Myrica sapida</i> from Meghalaya at Ranikhet (Kalika Research Range).	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
5	Demonstration plot of 20 RET medicinal trees & shrubs of other states than Uttarakhand. (Lalkuan Research Station).	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
6	Suitability trial of Superior clones of <i>Salix</i> near Gopeshwar in 1.00 ha (Gopeshwar Research Range).	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
Establishment /maintenance of seed plots/orchards (1c)		
1	Rejuvenation and maintenance of existing 20 seed plots.	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान करते हुए सुझाव दिया गया कि बीज उत्पादन क्षेत्र में अवांछित वृक्षों को हटाने की कार्यवाही भी सम्पन्न की जाय।
2	Establishment of Seed Plot of <i>Eulophia dabia</i> at Shayampur nursery (Ranipur Research Range)	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
3	Establishment of Orchard of South Indian Tejpat at Bhujighat (Gaja Research Range)	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
Development of nursery techniques for propagation of indigenous species including germination trials and vegetative methods (1d)		
1	Development of nursery technique of <i>Pittosporum eriocarpum</i> (Gaja nursery)	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
2	Development of nursery technique of <i>Ermastachys superba</i> (Haldwani nursery)	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
Modern seed storage facility for important species and strengthening of existing nurseries (1e)		
1	Construction of additional seed store at Haldwani & purchase of seed containers, equipments etc.	गत वर्ष स्वीकृत योजना का समिति द्वारा पुनः अनुमोदन प्रदान किया गया।
2	Raising of 50000 QPM (Silva, Sal Region)	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान करते हुए सुझाव दिया गया है कि उच्च गुणवत्तायुक्त पौधे बड़ी थैलियों में ही उगाई जाय।
3	Raising of 50000 QPM (Silva, Hill Region)	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
4	Construction of protection wall. 125 m, at Lalkuan Research station.	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
5	Construction of tube well room and working shade at Lalkuan Research station.	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
6	Construction of public facilities at Haldwani Research nursery.	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
7	Construction of inspection path and landscaping of research campus.	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
8	Repair of mist chamber at Shyampur nursery.	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
Strengthening of existing botanical / herbal gardens (1f)		
1	Measurement of Statistical Plots	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
2	Establishment of Eucalyptus (Coppice) sample plot	समिति द्वारा अस्वीकार किया गया।

2	Establishment of Eucalyptus (Coppice) sample plot	समिति द्वारा अस्वीकार किया गया।
Strengthening of Research Cell by hiring of technical personnel & up gradation of laboratory (1g)		
1	Hiring of technical personnel in research projects/ activities (Silva, Sal Region)	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
2	Hiring of technical personnel in research projects/ activities (Silva, Hill Region)	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
3	Up gradation and Maintenance of soil testing lab and Free soil testing of samples collected from forest divisions. (Silva, Sal Region)	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान करते हुए सुझाव दिया गया कि उच्चीकरण का प्रस्ताव यूकास्ट को वित्त पोषण हेतु भेजा जाय एवं मृदा परीक्षण शुल्क का सी0एफ0डी0 के माध्यम से पुनः चक्रित उपयोग किया जाय।
4	Up gradation of research information network & formation of digital library (Silva, Sal Region)	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान करते हुए सुझाव दिया गया कि सम्बन्धित प्रस्ताव यूकास्ट को वित्त पोषण हेतु भेजा जाय।
5	RAC meeting, workshop etc.	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
6	Consultation with reputed institutions, collection of planting material & study tour.	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
7	Technical inputs from experts.	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
Publication of APR, Research bulletins (1h)		
1	Publication of ARR.	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
2	Publication of Research bulletins, Leaflets etc.	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।

Research & Technology Scheme (Forestry Research)

1	Development of new clones of Poplar & DNA Mapping of new clones developed by Research Wing.	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
2	Development of new clones of Eucalyptus & DNA Mapping of new clones developed by Research Wing.	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।

Finance Commission (Central Budget) Projects 2015-16 Forestry Research Activities in Compliance of Working Plan Code-2014

1	Biodiversity Assessment.	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
2	Socio-economic survey.	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
3	NTFP Estimation (including MAPs).	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
4	Study of Carbon sequestration.	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
5	Creation of WP support cell & hiring the services of consultants for carrying out above activities.	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
6	ANR of Sal forests in Haridwar Div. (Comptt Chandi-7).	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।

समिति द्वारा दिये गये विशेष सुझाव –

- श्री ए0 के0 दत्त, प्रमुख वन संरक्षक, वन अनुसंधान, प्रबन्धन एवं प्रशिक्षण, उत्तराखण्ड, हल्द्वानी द्वारा सुझाव दिये गये कि उत्तराखण्ड में नव निर्मित सार्वजनिक मार्गों के किनारे पड़े मलवे, जिसकी सतह पर किसी प्रकार का कोई वानस्पतिक आवरण नहीं है, के एक या आधे किलोमीटर लम्बाई में, अनुसंधान शाखा द्वारा आवरण रहित मलवे पर, वानस्पतिक आवरण तैयार करने सम्बन्धी प्रयोग किया जाय। इसके लिये धनराशि की मांग नोडल अधिकारी से कैम्पा क्षतिपूरक वनीकरण के अन्तर्गत करें।
- डा0 राकेश शाह, अध्यक्ष, जैव विविधता बोर्ड, उत्तराखण्ड द्वारा कहा गया कि चीड़ वनों के बारे में जन-मानस में काफी भ्रांतियों व्याप्त हैं। अनुसंधान शाखा को चीड़ वनों की उपयोगिता सम्बन्धी अनुसंधान कर भ्रांतियों का निस्तारण करने की दिशा में पहल करनी चाहिए। यह भी अवगत कराया गया कि Invasive spp. जैसे लैन्टाना, गाजर घास आदि को समूल नष्ट करने से वनों के पुनरुत्पादन

पर दुष्प्रभाव दृष्टिगोचर हो सकते हैं। अध्ययन से यह साबित हुआ है कि पुनरुत्पादन हेतु आवश्यक परागण क्रिया में भाग लेने वाले कीटों को इन प्रजातियों द्वारा आश्रय प्रदान किया जाता है। अतः इन्हें समूल नष्ट किया जाना उचित नहीं है।

3. डा0 बी0एस0 बरफाल, सेवानिवृत्त, प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड द्वारा रिंगाल के कल्चरल/ हार्वेस्टिंग तकनीक के मानकीकरण हेतु अनुसंधान करने का सुझाव दिया गया। यह भी सुझाव दिया गया कि बीज उत्पादन क्षेत्रों से बीज उत्पादन क्षमता का कोई अनुमान उपलब्ध नहीं है। अनुसंधान शाखा को इस दिशा में कार्य करना चाहिए। उनके द्वारा यह भी सुझाव दिया गया कि अगली आर0ए0सी0 की बैठक हल्द्वानी में आयोजित की जाय। डा0 बरफाल द्वारा सुझाव दिया गया कि श्री एस0के0सिंह सदस्य सचिव के सेवाकाल में यह अन्तिम आर0ए0सी0 आयोजित की जा रही है अतः उनके द्वारा अनुसंधान कार्यों में दिये गये महत्वपूर्ण योगदान के दृष्टिगत उन्हें भविष्य में आर0ए0सी0 के सदस्य के रूप में नामित किया जाय तथा उनके अनुभव व विशेषज्ञता का लाभ अनुसंधान शाखा द्वारा प्राप्त किया जाय। समिति के अध्यक्ष एवं सदस्यों द्वारा इस पर सहमति व्यक्त की गयी।
4. डा0 एस0 पी0 सिंह द्वारा रिंगाल के सन्दर्भ में बताया गया कि रिंगाल में पुष्पण के बाद किये जाने वाले पूरक कार्यों के सम्बन्ध में अनुसंधान शाखा द्वारा अध्ययन किया जाना चाहिये जिससे मानक प्रक्रिया निर्धारित हो सके। रिंगाल के बीज से पौध तैयार करने की नर्सरी का मानकीकरण सम्बन्धी अनुसंधान कार्य भी किया जाना चाहिए।
5. डा0 जे0 एस0 मेहता, (सेवानिवृत्त) वनाधिकारी द्वारा सुझाव दिया गया कि विभिन्न स्थलों से बैम्बू राईजोम का एकत्रीकरण कर किसी स्थल पर राईजोम बैंक की स्थापना की जाय क्योंकि पर्वतीय क्षेत्रों में देश के विभिन्न राज्यों में काम करने वाले इस प्रदेश के नागरिकों द्वारा सेवा उपरान्त विभिन्न प्रकार के बांस का रोपण अपने निजी व सामुदायिक भूमि पर किया गया है एवं वे महत्वपूर्ण जैविक संसाधन हैं। इसके अतिरिक्त उनके द्वारा यह भी सुझाव दिया गया कि प्राकृतिक साल वनों एवं उसके समीप के यूकेलिप्टस/ पॉपलर वृक्षारोपणों की मृदा का परीक्षण व तुलनात्मक अध्ययन किया जाय।
6. समिति द्वारा प्रबल संस्तुति की गयी कि वन अनुसंधान शाखा के कर्मचारियों/अधिकारियों को विशेष वेतन प्रदान किया जाना चाहिए।

श्री एस0के0 सिंह, सदस्य सचिव की सेवानिवृत्ति (मई 2015 में) एवं डा0 राजेन्द्र सिंह, सदस्य के स्थानान्तरण को ध्यान में रखते हुये आर0ए0सी0 द्वारा उपहार देकर सम्मानित किया गया।

अन्त में वन वर्धनिक, साल क्षेत्र, उत्तराखण्ड, हल्द्वानी द्वारा अध्यक्ष महोदय एवं सभी सदस्यों/प्रतिनिधियों/विशेष आमंत्रितों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया एवं मा0 अध्यक्ष महोदय की अनुमति से बैठक समाप्त की गयी।

अनुमोदित

(श्री ए0 के0 दत्त)

प्रमुख वन संरक्षक,

वन अनुसंधान, प्रबन्धन एवं प्रशिक्षण, उत्तराखण्ड, हल्द्वानी
उपाध्यक्ष, उत्तराखण्ड वानिकी अनुसंधान सलाहकार परिषद

(एस0के0 सिंह)

मुख्य वन संरक्षक,

जैव विविधता संरक्षण, विकास एवं अनुसंधान, हल्द्वानी
सदस्य-सचिव, उत्तराखण्ड वानिकी अनुसंधान सलाहकार परिषद

उत्तराखण्ड वानिकी अनुसंधान संस्थान, हल्द्वानी
कार्यालय मुख्य वन संरक्षक, जैव विविधता संरक्षण, विकास एवं अनुसंधान, हल्द्वानी

दूरभाष : 05946-234047, फ़ैक्स: 05946-235136 ई-मेल ccfresearch@rediffmail.com

पत्रांक— 316/6-3 ,दिनांक, हल्द्वानी 22-05-2015

• प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- प्रमुख वन संरक्षक, ग्राम वन पंचायत एवं संयुक्त वन प्रबन्ध, उत्तराखण्ड, हल्द्वानी।
- 3- प्रमुख वन संरक्षक, वन्य जीव, उत्तराखण्ड, नैनीताल।
- 4- प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड वन विकास निगम, देहरादून।
- 5- अपर प्रमुख वन संरक्षक, वन अनुसंधान, प्रबन्धन एवं प्रशिक्षण, उत्तराखण्ड, हल्द्वानी।
- 6- अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबन्धन, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 7- अपर प्रमुख वन संरक्षक, कार्ययोजना, हल्द्वानी।
- 8- मुख्य वन संरक्षक/ मुख्य कार्यकारी अधिकारी, उत्तराखण्ड कैम्पा, देहरादून।
- 9- मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जायका परियोजना, देहरादून।
- 10- डा० राकेश शाह, अध्यक्ष, उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड, देहरादून।
- 11- डा० बी० एस० बरफवाल, सेवा निवृत्त, प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 12- निदेशक, पं०जी०बी०पंत इन्स्टीट्यूट ऑफ हिमालय इन्वायरमेंट एण्ड डेवलपमेंट, अल्मोडा।
- 13- निदेशक, वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून।
- 14- निदेशक, भारतीय वन्य जीव संस्थान, देहरादून।
- 15- निदेशक, वि०प०कृ०अ० संस्थान, अल्मोडा।
- 16- निदेशक, जडी बूटी शोध एवं विकास संस्थान, गोपेश्वर, चमोली।
- 17- निदेशक, यूकास्ट, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 18- कुलपति, पं०गो०ब०पं० कृषि वि०वि०, पंतनगर।
- 19- डॉ० जे०एस० मेहता, से०नि० वनाधिकारी, अल्मोडा।
- 20- डॉ० वीना पेन्थूली, से०नि० विभागाध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान, एम०क०पी० कालज, देहरादून।
- 21- डॉ० रामेश्वर दयाल, रसायन विशेषज्ञ (से०नि०) एफ०आर०आई०, देहरादून।
- 22- डॉ० एच०एस० गिनवाल, प्रभाग प्रमुख अनुवांशिकी एवं वृक्ष प्रवर्धन प्रभाग, एफ०आर०आई०, देहरादून।
- 23- डॉ० एस०पी० सिंह, आई०एन०एस०ए० वैज्ञानिक, नैनीताल।
- 24- प्रभारी वैज्ञानिक, कैप, सेलाकुई, देहरादून।
- 25- डॉ० राजेन्द्र कौशल, भारतीय भूमि एवं जल संरक्षण संस्थान, देहरादून।
- 26- वन संरक्षक, अनुसंधान वृत्त, हल्द्वानी।
- 27- वन वर्धनिक, साल, हल्द्वानी।
- 28- वन वर्धनिक, पर्वतीय, नैनीताल।

(एस०के० सिंह)

मुख्य वन संरक्षक,

जैव विविधता संरक्षण, विकास एवं अनुसंधान,
हल्द्वानी/सदस्य सचिव, वानिकी अनुसंधान
सलाहकार परिषद, उत्तराखण्ड

उपस्थित सदस्यों की सूची

क्र० सं०	अधिकारी का नाम	पदनाम	मोबाईल नम्बर	ई-मेल पता
1	श्री अनिल कुमार दत्त	प्रमुख वन संरक्षक, वन्य जीव, उत्तराखण्ड।	9411119000	ankrdutt@gmail.com
2	श्री ए०आर० सिन्हा	अपर प्रमुख वन संरक्षक, कार्ययोजना, उत्तराखण्ड।	9412086310	amulyasinha@yahoo.co.uk
3	श्री विनीत पांगती	महाप्रबन्धक, उत्तराखण्ड वन विकास निगम, देहरादून।	9412058613	forest.pangtey@gmail.com
4	डा० बी०एस० बरफाल	सेवा निवृत्त, प्रमुख वन संरक्षक, वन विभाग, उत्तराखण्ड, 224-A/II, बसन्त विहार, देहरादून।	9412053605	bs_burfal@rediffmail.com
5	डा० राकेश शाह	अध्यक्ष, जैव विविधता बोर्ड, उत्तराखण्ड।	9411112323	dr.rakeshshah@gmail.com
6	श्री एस० के० सिंह	मुख्य वन संरक्षक, जैव विविधता संरक्षण, विकास एवं अनुसंधान, उत्तराखण्ड, हल्द्वानी।	9412076135	sksingh2015@yahoo.com
7	डा० राजेन्द्र सिंह	मुख्य वन संरक्षक, अनुसंधान वृत्त, उत्तराखण्ड हल्द्वानी।	9458192126	rbisht@hotmail.co.uk
8	श्री अशोक कुमार महर	वन वर्धनिक, साल क्षेत्र, उत्तराखण्ड हल्द्वानी।	9458192185	van_vardhniksal@rediffmail
9	श्री कुबेर सिंह बिष्ट	वन वर्धनिक, पर्वतीय उत्तराखण्ड नैनीताल।	9758104889	bisht kuber38@gmail.com
10	श्री राजेन्द्र डोभाल	महानिदेशक, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी।	9458151777	dr.dobhal@gmail.com
11	श्री राजेन्द्र कुमार	प्रमुख वन संरक्षक, वन पंचायत।	9412056912	pccfvpanchayat@gmail.com
12	एस० पी० सिंह	INSA Scientist Nainital		
13	श्री ज० एस० मेहता	OAKGHA, ALMORA	9412092511	jsmentakailashi@gmail.com
14	डा० आर० के० मैखुरी	GBPIHED, Garhwal unit Srinagar U.K.	9410392632	rkmaikhur@rediffmail.com
15	डा० एस० के० लवानिया	Prof. (Agro forestry) G. B. Pant Agriculture University, Pantnagar	9411184949	sujeet lavania@rediffmail.com
16	डा० एस० जफर हैदर	Centre for Aromatic Plant (CAP)	0135-2698305	cap.dun.@gmail.com
17	डा० राजेन्द्र कौशल	Indian Institute of soil & water coservation Deheradun	9412439282	kaushalrajesh@gmail.com
18	श्री जय रमन देवराई	International Network for Bamboo & Rattan		
19	डा० अशोक कुमार	Scientist F R I Deheradun	9411173675	ashok@icfre.org
20	डा० एच० एस० गिनवाल	Scientist, F R I Deheradun	9412413158	ginwalhi@icfre.org
21	आर० के० तिवारी	सहायक वन वर्धनिक, साल क्षेत्र, उत्तराखण्ड हल्द्वानी।	9927574387	rkt_sdo@rediffmail.com
22	श्री डी० एस० मर्तोल्या	सहायक वन वर्धनिक, पर्वतीय, उत्तराखण्ड नैनीताल।	9412087304	dhrubsm@yahoo.in
23	श्री डी० के० पाण्डे	प्रभारी सहायक वन संरक्षक, साल क्षेत्र, उत्तराखण्ड हल्द्वानी।	9837650416	d.k.padey22@gmail.com